216वें सत्र के समापन पर सभापति का वक्तव्य

माननीय सदस्यगण,

राज्य सभा के 216वें सत्र का अवसान हो रहा है। यह सत्र 4 जून, 2009 को संसद के दोनों सदनों की सम्मिलित बैठक में माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा दिए गए अभिभाषण से प्रारंभ हुआ था। इस अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव के रूप में चर्चा की गई जो कि तीन दिन तक और कुल मिलाकर 15 घंटे से अधिक समय तक चली।

मैंने महासचिव को सत्र के बारे में सांख्यिकीय संबंधी सूचना उपलब्ध कराने का निदेंश दिया है।

मैं 'सभा के नेता', 'विपक्ष के नेता', विभिन्न दलों और समूहों के नेताओं और सभी माननीय सदस्यों को उनके द्वारा प्रदान किये गये सहयोंग, जिससे सभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सकी, के लिए धन्यवाद देता हूँ।

मैं उपसभापति, उपसभापति,उपसभाध्यक्ष के पैनल के सदस्यों और सचिवालाय के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी उनके द्वारा दी गयी सहायता और सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ।